[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1089 **K**

Unique Paper Code : 2272103603

Name of the Paper : Indian Growth and Development

Name of the Course : **B.A (H) Economics (UGCF) – DSC**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. **All** questions carry equal marks.
3. Attempt any **five** questions.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिये।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. India's growth trajectory moved from a period of 'Golden Era' (2003-08) to a period of 'Great Slowdown' (2012-18). In light of the post-reform policy regime, elaborate on the factors responsible for these turning points.

2. Discuss the challenges in achieving high and equitable growth in rural India. What are some policies that will be useful in this regard, keeping in mind the sustainability constraint in India's agriculture?

3. "India seems to be at the crossroads of the successful Asian industrialisation path and the Latin American trajectory of deindustrialisation". Explain and give evidence at the macro and micro levels in support of your answer.

4. Discuss India's service sector growth in the post COVID world. To what extent is it integrated with other sectors of the economy?

5. Examine the effects of the Demographic Deposit and Demographic Dividend on economic growth. Do you think India is ready to discharge its Demographic Debt yet?

6. "The array of labour laws faced by Indian industry is a form of regulatory cholesterol". Do you agree with this statement? Give reasons in support of your answer.

7. Critically evaluate India's participation in the Global Value Chains in the first quarter of the 21st century. What are the challenges that need to be addressed to improve India's participation in international trade?

8. Critically examine the Nehru-Mahalanobis strategy adopted in the second five-year plan in India. Briefly discuss its impact on post-independent India.

1. भारत की विकास यात्रा 'स्वर्ण युग' (2003 – 08) से 'महामंदी' (2012 – 18) के दौर में प्रवेश कर गई। सुधार के बाद की नीति व्यवस्था के आलोक में, इन महत्वपूर्ण मोड़ों के लिए जिम्मेदार कारकों पर विस्तार से चर्चा कीजिए।

2. ग्रामीण भारत में उच्च और समतापूर्ण विकास प्राप्त करने में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा कीजिए। भारत की कृषि में स्थिरता संबंधी बाधाओं को ध्यान में रखते हुए, इस संबंध में कौन सी नीतियां उपयोगी हो सकती हैं?

3. "भारत सफल एशियाई औद्योगीकरण पथ और लैटिन अमेरिकी विऔद्योगीकरण पथ के चौराहे पर खड़ा प्रतीत होता है।" अपने उत्तर के समर्थन में वृहद और सूक्ष्म स्तर पर व्याख्या और प्रमाण दीजिए।

4. कोविड – 19 के बाद की दुनिया में भारत के सेवा क्षेत्र के विकास पर चर्चा कीजिए। यह अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों के साथ किस हद तक एकीकृत है?

5. जनसांख्यिकीय जमा और जनसांख्यिकीय लाभांश का आर्थिक विकास पर प्रभाव का विश्लेषण कीजिए। क्या आपको लगता है कि भारत अभी तक अपना जनसांख्यिकीय ऋण चुकाने के लिए तैयार है?

6. "भारतीय उद्योग को जिन श्रम कानूनों की जटिलताओं का सामना करना पड़ता है, वे एक प्रकार का नियामक अवरोध हैं।" क्या आप इस कथन से सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में कारण बताइए।

7. 21वीं सदी की पहली तिमाही में वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में भारत की भागीदारी का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में भारत की भागीदारी को बेहतर बनाने के लिए किन चुनौतियों का समाधान आवश्यक है?

8. भारत में दूसरी पंचवर्षीय योजना में अपनाई गई नेहरू – महालनोबिस रणनीति का आलोचनात्मक विवेचना कीजिए। स्वतंत्रता के बाद के भारत पर इसके प्रभाव पर संक्षेप में चर्चा कीजिए।